

Members would like to wait till it has taken some material shape.

Shri Tangamani: The hon. Minister stated that the mission is likely to arrive in September. May I know when it is expected to complete the tour and make its recommendations?

Shri Lal Bahadur Shastri: This is merely an advance party that has come and the final mission will come later. The real party is coming in September and then they will meet and discuss.

Shri Dasappa: May I know whether, apart from coastal areas, this mission has visited any of the interior parts in order to find out the facilities and advantages available for the location of the ship-yard?

Shri Tyagi: Particularly Rajasthan.

Shri Lal Bahadur Shastri: There is nothing much to answer. My Colleague has already given the names of places. I think Bhatkal and Karwar are in the interior.

Shri Dasappa: They are coastal towns, I am speaking of the hinterland. I am asking whether the Mission has gone into the hinterland.

Shri Lal Bahadur Shastri: No, they have not gone.

Departmental Catering on Railways

*418. **Pandit D. N. Tiwary:** Will the Minister of Railways be pleased to state whether there has been any revision of the quantity of rice, bread and vegetables supplied to the passengers by the departmental catering and the contractors?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shah Nawaz Khan): There has been no revision as such of the quantity of rice, chappaties and vegetables to be served as part of the standard Indian style menu except that in January this year the quantity of rice was prescribed in terms of cooked rice instead of uncooked

rice and specific weights were prescribed for chappaties.

पंडित ड० ना० तिवारी : क्या मैं जान सकता हूँ कि क्या कोई ऐसी है जो कि यह देखे कि साब सामग्री का जितना बचन दिया गया है उतना दिया जाता है या नहीं। बहुत सी कम्प्लेंट बुक्स में ये शिकायतें दर्ज की गयी हैं कि साब सामग्री कम दी जाती है और नून : मांगने पर अधिक दाम चार्ज किये जाते हैं ?

श्री लालबाबू शास्त्री : जो भी खाना दिया जाता है उसको स्टेशन मास्टर भी देख सकते हैं और उसकी इंस्पेक्टर भी देखते हैं। कहीं कहीं ये शिकायतें मिली हैं कि पूरी मिक्चर नहीं मिलती है। जहाँ ऐसी शिकायत होती है, जैसा कि माननीय सदस्य ने भी की है, तो उस के ऊपर गौर किया जाता है और जहाँ किसी की गलती होती है उसकी सजा दी जाती है।

पंडित ड० ना० तिवारी : मुजफ्फरपुर स्टेशन पर जो शिकायत की गयी थी उसका क्या नतीजा निकला ?

श्री लालबाबू शास्त्री : वह मामला अभी जेरे तकतीस है उसका कोई फैसला नहीं हुआ है।

Shri Shree Narayan Das: Along with this question of quantity, may I know whether the question of quality is also taken into consideration?

Shri Shah Nawaz Khan: Yes, Sir; that is always taken into consideration.

रतनाम में पानी कल

+
४२०. { जो रावेलात खाते :
{ जो क बोवाला :

क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मूलपूर्व मध्य भारत सरकार ने रतनाम (मध्य प्रदेश) में पानी कल

कमाने के लिये भारत सरकार के पास कोई योजना मेजी थी ;

(ख) यदि हां, तो क्या भारत सरकार ने उस योजना का परीक्षण किया है ; और

(ग) उस योजना पर कितना व्यय होने का अनुमान है और राज्य सरकार तथा केन्द्रीय सरकार ने इस कार्य के लिये खर्च की क्या व्यवस्था की है ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री करनरकर) : (क) और (ख) जी हां। राज्य सरकार ने अभी तक आवश्यक इंजीनियरी विवरण नहीं भेजे हैं।

(ग) लगभग १५० लाख रुपये व्यय होने का अनुमान है। केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार के आयोजनों में इस योजना के लिये खर्च की अभी कोई व्यवस्था नहीं है।

श्री राजेशाल व्यास : क्या मैं जान सकता हूँ कि पूर्व मध्य भारत सरकार ने द्वितीय पंचवर्षीय योजना के लिये और किन किन जगहों के लिये नल कल योजना मेजी थी ?

श्री करनरकर : इस के बारे में अलग सूचना चाहिये।

श्री राजेशाल व्यास : क्या मैं जान सकता हूँ कि क्या मंत्री महोदय को यह विदित है कि रतलाम में जिस की आबादी ७०,००० है जल का बहुत ज्यादा कष्ट है और लोगों को सैकड़ों हजारों घड़े दिन भर और रत भर कुबों और नलों पर लगाये रहना पड़ता है। क्या इस कष्ट को निवारण करने के लिये वहाँ के लिये जल्दी मैटीरियल मंगाया जायेगा ?

श्री करनरकर : मुझे इस बात का पता नहीं था। अभी काला पंटा पहले माननीय सदस्य ने मुझे यह बात बतलायी है।

विहारी में गेहूँ के भाव

*४२१. श्री नवल प्रभाकर : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में देशी गेहूँ के भाव बहुत बढ़ गये हैं ; और

(ख) क्या यह सच है कि सरकार आयात किसे हुए गेहूँ के स्थान पर सस्ता देशी गेहूँ देने की व्यवस्था कर रही है ?

सहकार मंत्री (डा० पं० आ० बेसमूख) :

(क) पंजाब राज्य तथा हिमाचल प्रदेश और दिल्ली संघीय क्षेत्रों का संयुक्त गेहूँ क्षेत्र बनने के पश्चात दिल्ली में देशी गेहूँ का भाव गिरना आरम्भ हुआ और इस भाव की ८ तारीख को १३ रुपये १४ पाने प्रति मन हो गया। तब से भाव बढ़ता चला रहा है। १८ तारीख को बढ़ कर १५ रुपये हुआ परन्तु २२ तारीख को फिर गिर कर १४ रुपये ६ पाने हो गया। २७ जुलाई को पुनः बढ़ कर १५ रुपये ८ पाने हो गया है।

(ख) जी नहीं।

श्री नवल प्रभाकर : क्या मैं जान सकता हूँ कि जो सस्ते अनाज की दुकान हैं उन पर देशी गेहूँ को साढ़े १४ रुपये मन बिकवाने का प्रयत्न किया जायेगा ?

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री ज० प्र० जैन) : कुछ दुकानें मुकर्रर हैं और उन को इस बात का अधिकार है कि वह इस गेहूँ को ले सकती हैं।

Shri Ajit Singh: May I know whether Government propose to open fair price shops for the purchase of food-grains in the country and, if so, may I know when these shops will be started?